लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून

दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 6.7

बाजरे की उन्नत किस्म के लिए आंध्रप्रदेश की कंपनी से समझौता

हिसार में बृहस्पतिवार को बाजरे की उत्तम किस्मों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करते हकृवि व कंपनी के अधिकारी। साथ में हैं प्रो. केपी सिंह। -निस

हिसार, 9 जनवरी (निस)

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) द्वारा बृहस्पतिवार को बाजरे की उत्तम किस्मों के लिए आंध्रप्रदेश की एक बाजरा कंपनी के साथ समझौता किया गया है। एचएसबी 299 व एचएचबी 311 बाजरा किस्मों में 30-40 प्रतिशत अधिक आयरन के साथ-साथ दोनों किस्में बायोफोर्टिफाइड बताई गई हैं। उक्त समझौते पर हकृवि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया व बीज कंपनी से वाई. रमेश ने हस्ताक्षर किये। इस मौके पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय बढ़िया किस्में विकसित कर किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। इन किस्मों में अनाज और सूखे चारे दोनों की उपज की क्षमता अधिक है। यहां सम्पूर्ण बीज के वाई. विष्णु वर्धान, विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, वित्त नियंत्रक, डॉ. अतुल ढींगड़ा, अध्यक्ष जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, डॉ. आईएस पंवार, एचओएस, डॉ. एसके पहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल, डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं 6 कॉलम 2-3

हकृवि ने बाजरा की दो किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता पर किए हस्ताक्षर

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान करते कुलपति प्रो. केपी सिंह व कंपनी अधिकारी।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टेक्नोलॉजी व्यवसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी-संपूर्ण सीड्स के साथ अनुबंध किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, जबकि उपरोक्त बीज कंपनी से वाई. रमेश ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक उपज वाली व बढ़िया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में उपरोक्त बीज कंपनी को बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने हेतु चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड (उच्च लोहा और जस्ता) है, जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है

विश्वविद्यालय ने आंध्र प्रदेश की संपूर्ण सीड्स के साथ किया अनुबंध

और ये डाऊनी मिल्ड्यू रोग के प्रति रोधक हैं। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है।

इस अनुबंध में विश्वविद्यालय की ओर से इस बीज कंपनी को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज उत्पादन व उसकी मार्केटिंग करने का लाइसेंस प्रदान किया गया है। इसके तहत कंपनी विश्वविद्यालय को चार लाख रुपये लाइसेंस फीस देगी। बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 को राष्ट्रीय स्तर पर खेती के लिए पहचान के लिए राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली (जोन ए) और खरीफ सीजन के लिए महाराष्ट्र और तमिलनाडु (जोन बी) प्रस्तावित किया गया है। इस अवसर पर संपूर्ण बीज, के वाई. विष्णु वर्धान, विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, वित नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगड़ा, एचओएस डॉ. एसके पहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं 11 कॉलम 4-6

हकृवि ने बाजरे की 2 किस्मों को किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

हिसार, 9 जनवरी (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टैक्नोलॉजी व्यावसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश की एक बीज कम्पनी के साथ अनुबंध किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डा. एम.एस. सिद्धपुरिया जबकि बीज कम्पनी से वाई. रमेश ने हस्ताक्षर किए। कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि बीज कम्पनी को बाजरा के संकरों एच.एच.बी. 299 और एच.एच.बी. 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्कीटिंग करने हेतु 4 वर्ष के लिए गैर-एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसैंस दिया गया है। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड (उच्च लोहा और जस्ता) है जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है तथा ए डाऊनी मिल्ड्यू रोग के प्रतिरोधक हैं। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है।

एम.ओ.यू. के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह व अन्य।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं 13 कॉलम 4

समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

संवाद सहयोगी, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टेक्नोलॉजी व्यवसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए आज आन्ध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी संपूर्ण सीड्स के साथ अनुबंध किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया व बीज कंपनी से वाई. रमेश ने हस्ताक्षर किये। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक उपज वाली व बढ़िया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में उपरोक्त बीज कंपनी को बाजरा के संकरो एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने हेतु चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड (उच्च लोहा और जस्ता) है जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है तथा ये डाऊनी मिल्डयू रोग के प्रति रोधक हैं। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है। बाजरे को राष्ट्रीय स्तर पर खेती के लिए पहचान के लिए राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली (जोन ए) तथा खरीफ सीजन के लिए महाराष्ट्र और तमिलनाडु (जोन बी) प्रस्तावित किया गया है इस अवसर पर के वाई विष्णु वर्धान, विश्वविद्यालय के ओएसडी डा. एमके गर्ग, वित नियंत्रक, डा. अतुल ढींगड़ा, अध्यक्ष जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, डा. आईएस पंवार, एचओएस, डा. एसे के पाहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल, डा. विनोद सांगवान उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हरि भूमि
दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं 13 कॉलम 8

हकृवि ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

हिसार। हकृवि ने टेक्नोलॉजी व्यवसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए आज आंध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी-संपूर्ण सीड्स के साथ अनुबंध किया है। कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हकृवि की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया जबकि बीज कंपनी से वाई. रमेश ने हस्ताक्षर किए। कुलपति, प्रो. केपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक उपज वाली व बढिया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में उपरोक्त बीज कंपनी को बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने के लिए चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार नॉन एक्सक्लूसिव लाइसेंस दिया गया है। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड है जिसमें उ च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है तथा ये डाऊनी मिल्ड्यू रोग के प्रतिरोधक हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

HAU, ANDHRA FIRM SIGN MoU

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Sampoorna Seeds, Adoni, Kurnool, Andhra Pradesh. The main objective is to commercialise two bajra hybrids (HHB 299 & HB 311) of the HAU. In the presence of Vice Chancellor Prof KP Singh, HRM Director Dr MS Siddhpuria and Y Ramesh from the seed company signed the MoU. The VC said the university was constantly working on developing high-yielding and good varieties for farmers. The company has been given a non-exclusive licence for four years for production and marketing of the bajra hybrids. These varieties are biofortified with high iron (around 30-40 per cent) and zinc and are resistant to downy mildew disease. The company will pay the university ₹4 lakh.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम Hindustan Times
दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं 3 कॉलम 6.8

Agri varsity signs MoU with seed firm

HISAR: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) has signed a memorandum of understanding (MoU) with Sampoorna Seeds, Adoni, Kurnool, Andhra Pradesh. Vice-chancellor KP Singh said the main objective of this MoU is to commercialise (production and marketing) of two Bajra hybrids. Singh further said the university is constantly working on developing high-yielding and good varieties for farmers. In the same sequence, the above seed company has been given a non-exclusive license for a period of four years to produce and market two Bajra hybrids namely HHB 299 and HHB 311. These varieties are bio-fortified (high iron and zinc) with both high grain and dry fodder yield potential. **HTC**

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम Hindustan Times
दिनांक 10.1.2020 पृष्ठ सं 3 कॉलम 6.8

Agri varsity signs MoU with seed firm

HISAR: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) has signed a memorandum of understanding (MoU) with Sampoorna Seeds, Adoni, Kurnool, Andhra Pradesh. Vice-chancellor KP Singh said the main objective of this MoU is to commercialise (production and marketing) of two Bajra hybrids. Singh further said the university is constantly working on developing high-yielding and good varieties for farmers. In the same sequence, the above seed company has been given a non-exclusive license for a period of four years to produce and market two Bajra hybrids namely HHB 299 and HHB 311. These varieties are bio-fortified (high iron and zinc) with both high grain and dry fodder yield potential. **HTC**

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ......सिटी पल्स......
दिनांक 9.1.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-7

हकृवि ने बाजरा की दो किस्मों को किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

हिसार। एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह व अन्य

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टैक्नोलॉजी व्यवसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए आज आन्ध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी- संपूर्ण सीड्स के साथ अनुबंध किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया जबकि उपरोक्त बीज कंपनी से वाई. रमेश ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक उपज वाली व बढ़िया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में उपरोक्त बीज कंपनी को बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने हेतु चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है।

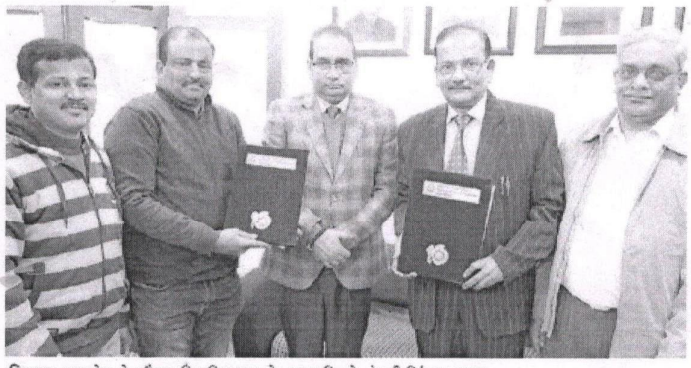

इस अनुबंध में विश्वविद्यालय की ओर से इस बीज कंपनी को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज उत्पादन व उसकी मार्केटिंग करने का लाइसेंस प्रदान किया गया है। इसके तहत कम्पनी विश्वविद्यालय को चार लाख रूपये लाइसेंस फीस देगी।

बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 को राष्ट्रीय स्तर पर खेती के लिए पहचान के लिए राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली (जोन ए) तथा खरीफ सीजन के लिए महाराष्ट्र और तमिलनाडु (जोन बी) प्रस्तावित किया गया है।

इस अवसर पर सम्पूर्ण बीज, के वाई. विष्णु वर्धान, विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, वित नियंत्रक, डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. आई.एस. पंवार, एचओएस, डॉ. एस.के. पहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल, डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पाठक पक्ष........
दिनांक 9.1.2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-4

हकृवि ने बाजरा की दो किस्मों को किसानों तक पहुंचाने के लिए समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

हिसार, 9 जनवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टैक्नोलॉजी व्यवसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए आज आन्ध्र प्रदेश की एक बीज कंपनी-संपूर्ण सीड्स के साथ अनुबंध किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह की उपस्थिति में इस अनुबंध पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया जबकि उपरोक्त बीज कंपनी से श्री वाई. रमेश ने हस्ताक्षर किए। कुलपति, प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय अधिक उपज वाली व बढिया किस्मों को विकसित कर किसानों तक पहुचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में उपरोक्त बीज कंपनी को बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज तैयार करके उसकी मार्केटिंग करने हेतु चार वर्ष के लिए गैर एकाधिकार (नॉन एक्सक्लूसिव) लाइसेंस दिया गया है। ये किस्में बायोफोर्टिफाइड (उच्च लोहा और जस्ता) है जिसमें उच्च अनाज और सूखे चारे की उपज की क्षमता दोनों अधिक है। इन किस्मों में आयरन की मात्रा 30-40 प्रतिशत से ज्यादा है तथा ये डाऊनी मिल्ड्यू रोग के प्रति रोधक हैं। बाजरे की इन किस्मों में आयरन की अधिक मात्रा के कारण इसे खाने से एनीमिया रोग से बचाव होता है। इस अनुबंध में विश्वविद्यालय की ओर से इस बीज कंपनी को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किए गए बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 का बीज उत्पादन व उसकी मार्केटिंग करने का लाइसेंस प्रदान किया गया है। इसके तहत कम्पनी विश्वविद्यालय को चार लाख रूपये लाइसेंस फीस देगी। बाजरा के संकरों एचएचबी 299 और एचएचबी 311 को राष्ट्रीय स्तर पर खेती के लिए पहचान के लिए राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली (जोन ए) तथा खरीफ सीजन के लिए महाराष्ट्र और तमिलनाडु (जोन बी) प्रस्तावित किया गया है। इस अवसर पर सम्पूर्ण बीज, के वाई. विष्णु वर्धान, विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, वित नियंत्रक, डॉ. अतुल ढीगंड़ा, अध्यक्ष, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, डॉ. आई.एस. पंवार, एचओएस, डॉ. एस.के. पहूजा, प्रभारी आईपीआर सेल, डॉ. विनोद सांगवान उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 9.1.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 1-5

राजस्थान का शैक्षणिक भ्रमण

एचएयू के स्टूडेंट्स ने जयपुर में देखा राजा महाराजाओं के समय का एग्रीकल्चर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

सिटी रिपोर्टर • एचएयू यूनिवर्सिटी के एग्रीकल्चर कॉलेज में नोर्थ जोन एजुकेशनल टूर ऑर्गेनाइज किया गया। जिसमें स्टूडेंट्स का यह 10 दिवसीय टूर राजस्थान के शैक्षणिक भ्रमण पर रहा। इसमें 65 स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया। इसमें स्टूडेंट्स ने एसकेएनएयू, महराणा प्रताप एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, काजरी जोधपुर, केवीके जैसलमेर, एसकेआरएयू बीकानेर जैसी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज में विजिट किया व कृषि से संबंधित जानकारी हासिल की। इसके साथ ही राजस्थान की ऐतिहासिक सांस्कृतिक व प्राकृतिक धरोहरों से भी परिचित हुए। डिपार्टमेंट के डॉ. राकेश सहरावत और डॉ. अंजू सहरावत के कोऑर्डिनेशन में पूरा टूर ऑर्गेनाइज हुआ। इसमें स्टूडेंट्स ने आमेर फोर्ट, नाहरगढ़ फोर्ट, चित्तौडगढ़ फोर्ट के साइड में बने हुए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम्स के बारे में जाना। जिनकी मदद से पानी को बचाकर खेती की जाती रही थी।

राजस्थान में लग रहा ड्रिप इरीगेशन सिस्टम

ऑर्गेनाइजर टीम में से स्टूडेंट सुमित जांगड़ा ने बताया कि टूर में विभिन्न यूनिवर्सिटीज का विजिट तो किया। वहीं इन दिनों वहां हो रही खेती के तरीकों को भी जाना। इसमें अधिकतर ड्रिप इरिगेशन सिस्टम को अपनाया जा रहा है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक 9.1.2020 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-5

आठ किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं हवाएं, दो डिग्री गिरा तापमान

आसमान में छाए बादल। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। लगातार तीसरे दिन भी बादल छाए रहे। इस दौरान आठ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे दिन के तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि बादल छाए रहने के कारण के कारण रात के तापमान में एक डिग्री से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार वीरवार को हल्के बादल छाए रहेंगे। इसके बाद मौसम साफ होगा। उत्तर पश्चिमी हवाओं के चलने से रात के तापमान में गिरावट व दिन के तापमान में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा सुबह धुंध छाने की भी संभावना रहेगी। बता दें कि इससे पहले सोमवार व मंगलवार को शहर में 1.6 एमएम बारिश दर्ज की गई।

आज भी छाये रहेंगे बादल कल से मौसम रहेगा साफ

अधिकतम तापमान 15.1 तो न्यूनतम 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा

पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार को भी सुबह से बादल छाए रहे। इस दौरान तेज हवा भी चली, जिससे सुबह के समय ठंड रही। हालांकि दोपहर तीन बजे थोड़ा आसमान साफ हुआ और सूर्य देवता बादलों की ओट से निकले। मगर इससे लोगों को ठंड से कोई खास राहत नहीं मिली। दिन ढलने के साथ ठंड और ज्यादा बढ़ गई। देर शाम तक भी आसमान में बादल छाए रहे। इस दौरान अधिकतम तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री ज्यादा रहा।